PAREEKSHA BAAZ
Institute for CSE Examination

PRELIM POINTERS

3th DEC 2024

For more exam related videos and guidance, scan the code to join our YouTube Channel

For more exam related material, scan the code to join our Telegram Channel

Scan the code to join our Instagram Channel

INDEX

SN.	TOPIC
1	सौर तूफान क्या है?
2	शहरी अवसंरचना विकास निधि
3	व्यायाम CINBAX
4	वर्कला चट्टान
5	माधव राष्ट्रीय उद्यान
6	लाल छाती वाला फ्लाईकैचर
7	वधावन बंदरगाह के बारे में मुख्य तथ्य
8	एंथ्रेक्स क्या है?
9	युगांडा के बारे में मुख्य तथ्य
10	आरएस-28 सरमट क्या है?

सौर तूफान क्या है?

अवलोकन:

वैज्ञानिकों ने 664-663 ईसा पूर्व के आसपास पृथ्वी पर आए एक विशाल सौर तूफान के साक्ष्य खोज निकाले हैं।

सौर तूफान के बारे में:

- सौर तूफान **कणों, ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्रों** और सामग्री का अचानक विस्फोट है जो **सूर्य द्वारा सौर मंडल में** प्रक्षेपित किया जाता है ।
- **सौर तूफान का कारण क्या है?**
    - सूर्य **के घूमने से उसके** उलझे हुए **चुंबकीय क्षेत्र उलझ जाते हैं** - इसकी भूमध्य रेखा इसके ध्रुवों की तुलना में अधिक तेजी से घूमती है।
    - सौर तूफान आमतौर पर तब शुरू होते हैं जब सूर्य पर ये **मुड़े हुए चुंबकीय क्षेत्र** इतने **विकृत और खिंच जाते हैं कि वे टूट जाते हैं और फिर से जुड़ जाते हैं** (इस प्रक्रिया को चुंबकीय पुनर्संयोजन कहा जाता है), **जिससे बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है।**
- ये शक्तिशाली विस्फोट **निम्नलिखित में से कोई भी या सभी उत्पन्न कर सकते हैं:**
    - प्रकाश की एक चमक जिसे **सौर ज्वाला कहा जाता है।**
    - विकिरण **तूफान** , या सौर कणों का तेज़ गति से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होना।
    - सौर पदार्थ का एक विशाल बादल, जिसे **कोरोनल मास इजेक्शन** कहा जाता है , जो सूर्य से दूर निकलता है।
- **पृथ्वी पर प्रभाव:**
    - पृथ्वी की ओर निर्देशित होने पर, एक सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में एक बड़ी गड़बड़ी पैदा कर सकता है, जिसे **भू-चुंबकीय तूफान** कहा जाता है , जो **रेडियो ब्लैकआउट, बिजली की कटौती और सुंदर अरोरा** जैसे **प्रभाव पैदा कर सकता है।**
    - हालांकि, ये पृथ्वी पर **किसी को भी प्रत्यक्ष रूप से नुकसान नहीं पहुंचाते** , क्योंकि हमारे ग्रह का चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल हमें इन तूफानों से बचाता है।

प्रश्न 1 : सूर्य का कोरोना क्या है?

सूर्य का कोरोना सूर्य के वायुमंडल का सबसे बाहरी हिस्सा है। कोरोना आमतौर पर सूर्य की सतह की चमकदार रोशनी से छिपा रहता है। इसलिए विशेष उपकरणों का उपयोग किए बिना इसे देखना मुश्किल होता है। हालाँकि, कोरोना को पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान देखा जा सकता है।

PAREEKSHA BAAZ
SAFALTA KE KHILADI

शहरी अवसंरचना विकास निधि

अवलोकन:

हाल ही में आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री ने लोकसभा में बताया कि सरकार ने टियर 2 और टियर 3 शहरों में शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण की कमी का उपयोग करके शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष (यूआईडीएफ) की स्थापना की है।

शहरी अवसंरचना विकास निधि के बारे में:

- **इसकी स्थापना प्राथमिकता क्षेत्र ऋण की कमी** के उपयोग के माध्यम से की जाती है ।
- **उद्देश्य:** इस निधि का उपयोग सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा **टियर-2 और टियर-3 शहरों में शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया जाएगा।**
- इसका उद्देश्य सार्वजनिक/राज्य एजेंसियों, नगर निगमों और शहरी स्थानीय निकायों के माध्यम से कार्यान्वित शहरी बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए **राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को पूरक बनाना है , ताकि सीवरेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल आपूर्ति और स्वच्छता** , नालियों/तूफान जल नालियों आदि के निर्माण और सुधार जैसी बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए वित्तपोषण का एक स्थिर और अनुमानित स्रोत उपलब्ध कराया जा सके।
- **इसका प्रबंधन राष्ट्रीय आवास बैंक** द्वारा किया जाता है ।
- इस कोष की प्रारंभिक राशि **₹10,000 करोड़ है।**
- **इसकी स्थापना ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (** आरआईडीएफ) की तर्ज पर की गई है ।
- राज्यों को यूआईडीएफ का उपयोग करते समय उचित उपयोगकर्ता शुल्क अपनाने के लिए 15वें वित्त आयोग के अनुदानों के साथ-साथ मौजूदा योजनाओं से संसाधनों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- वर्तमान में यह 459 टियर-2 शहरों और 580 टियर-3 शहरों को कवर करता है।
- **यूआईडीएफ ऋण:**
    - यूआईडीएफ ऋण पर ब्याज दर **बैंक दर से घटाकर 1.5 प्रतिशत रखी गई है।**
    - ऋण (मूलधन) को ड्रॉ की तिथि से सात वर्षों के भीतर **पांच समान वार्षिक किस्तों** में चुकाया जाएगा , जिसमें दो वर्ष की स्थगन अवधि भी शामिल होगी।
    - ब्याज तिमाही आधार पर देय होगा।

प्रश्न 1: राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) क्या है?

एनएचबी एक अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफएल) है जिसकी स्थापना राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 के तहत की गई है। यह पूर्णतः भारत सरकार के स्वामित्व में है।

व्यायाम CINBAX

अवलोकन:

संयुक्त टेबल टॉप अभ्यास, सिनबाक्स का पहला संस्करण विदेशी प्रशिक्षण नोड, पुणे में शुरू हुआ।

अभ्यास CINBAX के बारे में:

- यह अभ्यास **भारतीय सेना और कम्बोडियाई सेना के बीच आयोजित किया जाता है।**
- कम्बोडियाई सेना की टुकड़ी में कार्मिक शामिल होंगे तथा भारतीय सेना की टुकड़ी में भी **इन्फैंट्री ब्रिगेड के कार्मिक शामिल होंगे।**
- अभ्यास CINBAX एक योजना अभ्यास है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत **संयुक्त आतंकवाद विरोधी (CT) अभियानों का युद्ध अभ्यास करना है ।**
- इस अभ्यास में सीटी वातावरण में संचालन की योजना के अलावा खुफिया, निगरानी और टोही के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्य बल की स्थापना से संबंधित चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- अभ्यास में सूचना संचालन, **साइबर युद्ध, हाइब्रिड युद्ध,** रसद और **हताहत प्रबंधन, एचएडीआर संचालन** आदि पर भी चर्चा शामिल होगी।
- यह अभ्यास तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा।
    - **चरण-I में** संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के दौरान सीटी संचालन के लिए प्रतिभागियों की तैयारी और उन्मुखीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
    - **चरण-II में** टेबल टॉप अभ्यास का आयोजन शामिल होगा
    - **चरण-III में** योजनाओं को अंतिम रूप देना और सारांश तैयार करना शामिल होगा। इससे थीम-आधारित प्रशिक्षण के व्यावहारिक पहलू सामने आएंगे और प्रतिभागियों को स्थिति-आधारित चर्चाओं और सामरिक अभ्यासों के माध्यम से प्रक्रियाओं को समझने में सक्षम बनाना है।
- इस अभ्यास में भारतीय मूल के हथियारों और उपकरणों का भी प्रदर्शन किया जाएगा, जो रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भरता' और स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा देंगे।

- अभ्यास CINBAX के प्रथम संस्करण में दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच विश्वास, सौहार्द बढ़ाने तथा अंतर-संचालन के वांछित स्तर को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

प्रश्न 1: संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना क्या है?

संयुक्त राष्ट्र चार्टर सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी देता है। इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए परिषद संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान की स्थापना कर सकती है।

वर्कला चट्टान

अवलोकन:

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने राष्ट्रीय भू-विरासत स्थल घोषित वर्कला चट्टान की बिगड़ती स्थिति पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और अन्य से जवाब मांगा है।

वर्कला चट्टान के बारे में:

- **स्थान: यह केरल** के तिरुवनंतपुरम जिले के तटीय शहर वर्कला में स्थित एक सुंदर प्राकृतिक संरचना है ।
- उत्तरी और दक्षिणी दोनों चट्टानों सहित कुल 3 किमी की दूरी तक फैली यह चट्टान **मायो-प्लियोसीन युग की अवसादी चट्टान संरचना को उजागर करती है।**
- वर्कला देश के पश्चिमी तट पर एकमात्र स्थान था जहां **मायो-प्लियोसीन युग** (13 लाख से 2.5 करोड़ वर्ष पूर्व) के तलछट उजागर हुए थे।
- यह चट्टान, जिसे उत्तरी चट्टान के नाम से भी जाना जाता है, तट के साथ लगभग एक किलोमीटर तक फैली हुई है, तथा कुछ स्थानों पर समुद्र तल से 80 मीटर तक ऊंची है।
- चट्टान के तल पर स्थित पापनासम समुद्र तट अपने प्राकृतिक झरनों के लिए प्रसिद्ध है और माना जाता है कि इसमें चिकित्सीय गुण हैं ।
- यह तटीय समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण **जलभृत और प्राकृतिक जल संचयन प्रणाली** है , इसके सूक्ष्म आवास में अद्वितीय जैव विविधता है, तथा यह स्थानीय मछली पकड़ने वाले समुदायों के लिए आवश्यक पानी के नीचे की भित्तियों को सहारा देता है।
- यह देश का **27वां राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक है और अंगदिपुरम लैटेराइट के बाद राज्य का दूसरा स्मारक है।**

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बारे में मुख्य तथ्य

- इसकी **स्थापना 1851 में** मुख्यतः रेलवे के लिए कोयला भंडार खोजने के लिए की गई थी।
- पिछले कुछ वर्षों में यह देश के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक **भू-विज्ञान संबंधी जानकारी का भंडार बन गया है।**
- इसकी मुख्य भूमिका में नीति-निर्माण निर्णयों, तथा वाणिज्यिक और सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सभी प्रकार की वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष और अद्यतन भूवैज्ञानिक विशेषज्ञता और भूवैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना शामिल है।

- इसका **मुख्यालय कोलकाता में** है और इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ, जयपुर, नागपुर, हैदराबाद, शिलांग और कोलकाता में स्थित हैं। हर राज्य में एक राज्य इकाई होती है।
- **यह खान मंत्रालय** से संबद्ध कार्यालय है ।

प्रश्न 1: भूविज्ञान क्या है?

भूविज्ञान शब्द का अर्थ है 'पृथ्वी का अध्ययन'। भूविज्ञान को भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान के रूप में भी जाना जाता है, भूविज्ञान प्राथमिक पृथ्वी विज्ञान है और यह देखता है कि पृथ्वी कैसे बनी, इसकी संरचना और संरचना, और इस पर कार्य करने वाली प्रक्रियाओं के प्रकार।

माधव राष्ट्रीय उद्यान

अवलोकन:

एक ऐतिहासिक संरक्षण कदम के तहत, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने शिवपुरी जिले में माधव राष्ट्रीय उद्यान को बाघ रिजर्व के रूप में नामित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

माधव राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- **स्थान: यह मध्य प्रदेश** राज्य में स्थित है ।
- यह भारत के मध्य उच्चभूमि के उत्तरी किनारे पर स्थित है, जो पठारों और घाटी खंडों से मिश्रित **ऊपरी विंध्य पहाड़ियों का एक हिस्सा है।**
- **झीलें:** साख्य सागर और माधव सागर पार्क के दक्षिणी भाग में स्थित दो झीलें हैं, जो जलीय जैव विविधता और स्थलीय प्रजातियों के लिए जीवन रेखा प्रदान करती हैं।
- **नदियाँ:**
    - पार्क के उत्तरी क्षेत्र में जल निकासी पैटर्न **उत्तर और उत्तर-पूर्व की ओर है, जो अमरनदी का जलग्रहण क्षेत्र बनाता है।**
    - पार्क क्षेत्र **सिंध नदी का** जलग्रहण क्षेत्र बनाता है जो पार्क की **पूर्वी सीमा के साथ बहती है।**
- पार्क के पूर्वी भाग में विंध्यन प्रणाली की अवसादी चट्टानें हैं , **जो अधिकतर** बलुआ पत्थर, शेल और चूना पत्थर हैं।
- **वनस्पति:** पार्क के वन उत्तरी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती मिश्रित वनों के साथ-साथ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के विशिष्ट शुष्क कांटेदार वनों की श्रेणी में आते हैं।
- **वनस्पति:** करधई, सलाई, धौरा और खैर। अंडरस्टोरी में लगभग पूरी तरह से बेर, मकोर और करौंदा शामिल हैं। जामुन और महुआ नालों के किनारे पाए जाते हैं।
- **जीव-जंतु:** नीलगाय, चिंकारा और चौसिंगा तथा चीतल, सांभर और भौंकने वाले हिरण सहित हिरण। तेंदुआ, भेड़िया, सियार, लोमड़ी, जंगली कुत्ता आदि जैसे जानवर।

प्रश्न 1: राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) क्या है?

यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के तहत एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन बाघ संरक्षण को मजबूत करने के लिए किया गया है। NCTA को 2005 में बाघ टास्क फोर्स की सिफारिश के बाद बनाया गया था और इसे वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 की धारा 38L के तहत वैधानिक प्राधिकरण का दर्जा दिया गया था।

लाल छाती वाला फ्लाईकैचर

अवलोकन:

हाल ही में, कठोर सर्दियों से बचने के लिए पूर्वी यूरोप से प्रवास करने वाला रेड-ब्रेस्टेड फ्लाईकैचर पक्षी हैदराबाद की अमीनपुर झील में पाया गया।

लाल छाती वाले फ्लाईकैचर के बारे में:

- **वैज्ञानिक नाम:** फिसेडुला पर्वा.
- यह ओल्ड वर्ल्ड फ्लाईकैचर परिवार का एक छोटा (11-12 सेमी) **गौरैया पक्षी है।**
- इसे कभी-कभी हमारे शहरी उद्यानों में अंजीर (बरगद, पीपल) खाते हुए देखा जा सकता है।
- **स्वरूप:** नर का **गला लाल-नारंगी** होता है जो ऊपरी स्तन तक फैला होता है, जबकि मादा का रंग समग्रतः भूरा होता है।
- उन्हें अन्य आदेशों से उनके पंजों की व्यवस्था से अलग किया जा सकता है - तीन आगे की ओर और एक पीछे की ओर, एक ऐसा डिजाइन जो उन्हें शाखाओं पर कुशलतापूर्वक चिपके रहने में मदद करता है।
- यह आमतौर पर **पूर्वी यूरोप से** वहां की कठोर सर्दियों से बचने के लिए प्रवास करता है और दक्षिण एशिया में प्रचुर मात्रा में भोजन के साथ मध्यम तापमान का आनंद लेता है।
- **प्रजनन: यह पक्षी पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया के पर्णपाती मिश्रित जंगलों** में वसंत से गर्मियों तक प्रजनन करता है । **सर्दियों के महीनों** (ज्यादातर सितंबर से मार्च) में , यह **भारतीय उपमहाद्वीप** के जंगलों, वुडलैंड्स, बागों, पार्कों और सड़क के किनारे के पेड़ों की ओर पलायन करता है।
- यह प्रायद्वीपीय भारत में अक्टूबर से मार्च तक शीत ऋतु के दौरान पाया जा सकता है।
- **संरक्षण की स्थिति**
- **आईयूसीएन:** कम चिंता

प्रश्न 1: पैसेरीन पक्षी क्या है?

पासरिन या पासरिफॉर्म, पासरिफॉर्मिस नामक गण का सदस्य है, जो पक्षियों का सबसे बड़ा गण है, जिसमें सभी प्रजातियों की आधी से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं। उन्हें पर्चिंग बर्ड या, कम सटीक रूप से, सॉन्ग बर्ड के रूप में भी जाना जाता है।

वधावन बंदरगाह के बारे में मुख्य तथ्य

अवलोकन:

महाराष्ट्र में दहानु के निकट निर्माणाधीन वधावन ग्रीनफील्ड बंदरगाह के पूरा होने पर भारत का कंटेनर व्यापार वर्तमान स्तर से दोगुना हो जाएगा।

वधावन बंदरगाह के बारे में:

- वधावन बंदरगाह को **महाराष्ट्र के** पालघर जिले के **वधावन** में एक **सभी मौसम के अनुकूल ग्रीनफील्ड डीप ड्राफ्ट प्रमुख बंदरगाह** के रूप में विकसित किया जाएगा ।
- इस परियोजना का निर्माण **वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) द्वारा किया जाएगा, जो** जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और **महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी)** द्वारा गठित एक विशेष प्रयोजन वाहन (**एसपीवी) है,** जिसकी हिस्सेदारी **क्रमशः 74% और 26% है।**
- भूमि अधिग्रहण घटक सहित कुल परियोजना लागत **76,220 करोड़ रुपये है।**
- **इसका निर्माण कार्य 2034 तक पूरा होने की** उम्मीद है और अनुमान है **कि यह विश्व के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा।**
- बंदरगाह में **नौ कंटेनर टर्मिनल** होंगे , जिनमें से प्रत्येक 1000 मीटर लंबा होगा, तटीय बर्थ सहित चार बहुउद्देशीय बर्थ, चार तरल कार्गो बर्थ, एक रो-रो बर्थ और एक तटरक्षक बर्थ शामिल होंगे।
- 2029 तक चार टर्मिनल पूरे हो जाएंगे तथा 2034 तक पांच टर्मिनल और जोड़े जाएंगे।
- इस परियोजना से प्रतिवर्ष 298 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की संचयी क्षमता सृजित होगी, जिसमें लगभग 23.2 मिलियन टीईयू (बीस फुट समतुल्य) कंटेनर हैंडलिंग क्षमता भी शामिल है।
- निर्मित क्षमताएं IMEEC (भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा) और INSTC (अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा) **के माध्यम से EXIM व्यापार प्रवाह में भी सहायता करेंगी ।**

प्रश्न 1 : आईएनएसटीसी (अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा) क्या है?

यह एक बहुविध परिवहन समझौता है जो 2000 में यूरो-एशियाई परिवहन सम्मेलन में भारत, ईरान और रूस के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के तहत बनाया गया था। यह फारस की खाड़ी के माध्यम से हिंद महासागर को कैस्पियन सागर से जोड़ता है और फिर रूस और उत्तरी यूरोप में प्रवेश करता है। इस गलियारे में समुद्री, सड़क और रेल मार्ग शामिल हैं।

एंथ्रेक्स क्या है?

अवलोकन:

हाल ही में बांदीपुर टाइगर रिजर्व में संदिग्ध एंथ्रेक्स के कारण एक मादा हाथी की मौत हो गई।

एंथ्रेक्स के बारे में:

- एंथ्रेक्स एक **दुर्लभ लेकिन गंभीर** बीमारी है जो **बीजाणु बनाने वाले जीवाणु, बैसिलस एन्थ्रेसिस के कारण होती है।**
    - यह दुनिया भर की **मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है और आम तौर पर पशुओं** और जंगली जानवरों को प्रभावित करता है। **बैक्टी**
    - **रिया बीजाणु पैदा करते हैं** जो **सालों तक जमीन में रह सकते हैं** ।
- **संचरण** :
    - पशुधन और जंगली जानवर संक्रमित हो सकते हैं जब वे दूषित मिट्टी, पौधों या पानी में मौजूद **बैक्टीरिया के बीजाणुओं को सांस के माध्यम से अंदर लेते हैं, खाते हैं** या पीते हैं ।
    - आमतौर पर **लोग एंथ्रेक्स से बीमार हो जाते हैं** यदि वे **संक्रमित जानवरों** या दूषित पशु उत्पादों के संपर्क में आते हैं।
    - **लोग एंथ्रेक्स बीजाणुओं को सांस के माध्यम से अंदर ले सकते हैं** , बीजाणुओं से दूषित भोजन या पानी खा सकते हैं, या त्वचा पर किसी घाव या खरोंच के माध्यम से बीजाणु उनके अंदर प्रवेश कर सकते हैं।
    - एंथ्रेक्स चिकनपॉक्स या फ्लू की तरह **संक्रामक नहीं है** । संक्रमित व्यक्ति के आस-पास रहने से आपको एंथ्रेक्स नहीं हो सकता।
- **संक्रमण के मार्ग के आधार पर** यह रोग तीन रूपों में प्रकट होता है : **त्वचीय, जठरांत्रीय, और श्वसन।**
- **मनुष्यों में संक्रमण** अक्सर **त्वचा, जठरांत्र संबंधी मार्ग या फेफड़ों को प्रभावित करता है** ।
- **लक्षण:** प्रकार के आधार पर, लक्षण इस प्रकार हैं:
    - **सीने में दर्द** और सांस लेने में परेशानी।
    - थकान।
    - **बुखार** और अत्यधिक पसीना आना।

- सिरदर्द या मांसपेशियों में दर्द।
- **खुजली वाले छाले** या गांठें।
- **त्वचा का अल्सर (घाव) जिसका केंद्र काला हो** ।
- मतली और उल्टी, पेट दर्द, और खूनी दस्त।
- **सूजी हुई लिम्फ नोड्स** .

- **इलाज** :
  - **यदि एंटीबायोटिक उपचार** प्रारंभिक अवस्था में दिया जाए तो यह प्रभावी होता है।
  - एंथ्रेक्स के विरुद्ध **टीकाकरण की सिफारिश केवल जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए की जाती है** , जैसे कि एंथ्रेक्स प्रभावित क्षेत्रों में काम करने वाले लोग।

प्रश्न 1 : अल्सर क्या है?

अल्सर एक खुला, दर्दनाक घाव होता है। पेप्टिक अल्सर पेट और छोटी आंत के ऊपरी हिस्से को प्रभावित करता है, जिसे डुओडेनम कहा जाता है। पेट में होने वाले अल्सर को पेट के अल्सर या गैस्ट्रिक अल्सर भी कहा जाता है। डुओडेनम में होने वाले अल्सर को डुओडेनल अल्सर भी कहा जाता है।

युगांडा के बारे में मुख्य तथ्य

अवलोकन:

अफ्रीका के पूर्वी युगांडा में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 15 लोग मारे गए और 100 से अधिक लापता हो गए।

युगांडा के बारे में:

- **यह पूर्व-मध्य अफ्रीका** में स्थित एक **स्थलरुद्ध देश** है ।
- सीमावर्ती देश: **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), केन्या, रवांडा, दक्षिण सूडान** और **तंजानिया** ।
- भूमध्य रेखा युगांडा से होकर गुजरती है।
- **राजधानी: कंपाला**
- **युगांडा को 1962 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता** मिली ।
- युगांडा में 65 से ज़्यादा **जातीय समूह** हैं । **आधिकारिक भाषाएँ अंग्रेज़ी और स्वाहिली** हैं , जो इसकी विविध आबादी के बीच संचार की सुविधा प्रदान करती हैं।
- सरकार का स्वरूप: **लोकतंत्र** , जिसमें राष्ट्रपति सरकार का मुखिया होता है।
- **भूगोल** :
    - यह मुख्यतः **वर्षावन से आच्छादित एक केंद्रीय पठार पर स्थित है।** इसकी पूर्वी और पश्चिमी सीमाओं पर ऊंचे ज्वालामुखी पर्वत हैं।
    - विरुंगा **और रुवेनज़ोरी पर्वत** और **पश्चिमी रिफ्ट घाटी** देश की पश्चिमी सीमाएँ बनाती हैं। देश की **सबसे ऊँची चोटी,** 5,109 मीटर ऊँची **मार्गेरिटा पीक, रुवेनज़ोरी रेंज** का हिस्सा है ।
    - **इनसेलबर्ग** युगांडा में एक **आम भौगोलिक विशेषता है। जर्मन में इसका अर्थ है "चट्टान द्वीप", ये विचित्र लेकिन आश्चर्यजनक चट्टानी संरचनाएं** पूरे देश में सवाना और पठारों के ऊपर स्थित हैं।

- **विक्टोरिया झील** (अफ्रीका की सबसे बड़ी झील और **दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील**) तंजानिया और केन्या के साथ देश की दक्षिणी सीमा बनाती है।
- युगांडा में **आठ प्रमुख नदियाँ हैं:** विक्टोरिया **नील, अचवा, ओकोक,** पेजर, **अल्बर्ट नील** , काफू, मपोंगो और कटोंगा।

- **वन्य जीवन** :
  - युगांडा में **विश्व के 11% पक्षी पाए जाते हैं।**
  - **विश्व के 8% स्तनधारी** यहां पाए जाते हैं।
  - विश्व के किसी भी अन्य देश की तुलना में यहां **प्राइमेट्स की संख्या सबसे अधिक है।**
  - यहाँ **विश्व की लुप्तप्राय पर्वतीय गोरिल्लाओं की आधी आबादी** रहती है ।

प्रश्न 1 : इन्सेलबर्ग क्या हैं?

इनसेलबर्ग अलग-अलग पहाड़ियाँ या पर्वत हैं जो आस-पास के मैदान से अचानक ऊपर उठते हैं, जो आमतौर पर कटाव की प्रक्रिया से बनते हैं। वे अक्सर अधिक विस्तृत पर्वत श्रृंखलाओं के अवशेष होते हैं, जहाँ नरम पदार्थ नष्ट हो गए हैं, जिससे ये कठोर चट्टानें पीछे रह गई हैं।

आरएस-28 सरमट क्या है?

अवलोकन:

रूस पुरानी मिसाइलों के स्थान पर आरएस-28 सरमत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल तैनात करने जा रहा है, जिसे 'शैतान 2' के नाम से जाना जाता है।

आरएस-28 सरमट के बारे में:

- यह **रूस** द्वारा विकसित एक **तरल-ईंधन वाली अंतरमहाद्वीपीय** बैलिस्टिक मिसाइल है ।
- इसका नाम चौथी और पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के सरमाटियन लोगों के नाम पर रखा गया है। इसे पश्चिम में "शैतान द्वितीय" के नाम से भी जाना **जाता है ।**
- **विशेषताएँ** :
    - यह तीन चरणों वाली, तरल ईंधन से चलने वाली मिसाइल है जिसकी **मारक क्षमता 18,000 किलोमीटर है।**
    - इसका प्रक्षेपण भार 208.1 मीट्रिक टन है।
    - यह मिसाइल 35.3 मीटर लंबी और 3 मीटर व्यास की है।
    - **"भारी" आईसीबीएम** के रूप में नामित सरमट **10 टन का पेलोड ले जा** सकता है तथा इसमें विभिन्न प्रकार के हथियार लोड किए जा सकते हैं।
    - इसमें कथित तौर पर **10 भारी परमाणु हथियार** , 16 छोटे हथियार, **हथियारों** और प्रत्युत्तर का संयोजन या **हाइपरसोनिक बूस्ट ग्लाइड वाहन लोड किए जा सकते हैं।**
    - इसे मिसाइल रोधी रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे दुश्मन की निगरानी प्रणालियों को इसे ट्रैक करने के लिए एक संकीर्ण खिड़की मिल जाती है।

प्रश्न 1 : बैलिस्टिक मिसाइलें क्या हैं?

बैलिस्टिक मिसाइल एक रॉकेट-चालित, स्व-निर्देशित रणनीतिक-हथियार प्रणाली है जो अपने प्रक्षेपण स्थल से एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य तक पेलोड पहुंचाने के लिए बैलिस्टिक प्रक्षेप पथ का अनुसरण करती है। वे शुरू में चरणों में एक रॉकेट या रॉकेटों की श्रृंखला द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन फिर एक असंचालित प्रक्षेप पथ का अनुसरण करते हैं जो अपने इच्छित लक्ष्य तक पहुँचने से पहले ऊपर की ओर झुकता है। वे पारंपरिक उच्च विस्फोटकों के साथ-साथ रासायनिक, जैविक या परमाणु हथियार भी ले जा सकते हैं।